# हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में आयोजित हिंदी पखवाडा-2020 का संक्षिप्त वृतांत

पूर्ववर्ती प्रसंगों की तरह इस वर्ष भी हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में दिनांक 01.09.2020 से 14.09.2020 के मध्य 'हिंदी पखवाड़ा-2020' का आयोजन किया गया। हालांकि, इस बार कतिपय कारणों से 'हिंदी पखवाड़ा' कई मायनों में पूर्ववर्ती आयोजनों से भिन्न था जैसे- इस बार कोविड-19 के निमित अभूतपूर्व परिस्थितियों में सामाजिक दूरी एवं ऑनलाइन माध्यम, मास्क पहनने जैसी नवीन परिपाटियों कों अपरिहार्य रूप से व्यवहृत किया गया । इस पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन, टिप्पण-लेखन, टंकण, शब्द-ज्ञान अनुवाद जैसी प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया और हिंदी पखवाड़े की अंतिम गतिविधि के रूप में 'काव्य पाठ प्रतियोगिता' एवं 'समापन समारोह' को संयुक्त माध्यम (ऑनलाइन व ऑफलाइन) से आयोजित किया गया ।

हिंदी पखवाड़ा-2020 के समारोह की अंतिम गतिविधि के रूप में काव्य-पाठ प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 14.09.2020 को संस्थान के निदेशक डॉ एस.एस.सामंत के समग्र पर्यवेक्षण में सपंन्न हुआ । इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्थान के सहायक निदेशक, राजभाषा (प्रभारी) श्री दिनेश पॉल द्वारा संस्थान में हिंदी की वर्तमान स्थिति का बहुपार्श्वीय आरेख प्रस्तुत किया गया । जिसमें उन्होनें संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों यथा- 'आज का विचार' हिंदी में लिखने, टिप्पण-प्रारूप लेखन का शत-प्रतिशत हिंदी में निष्पादन, संगोष्ठियों व कार्यशालाओं का हिंदी में निरूपण, राजभाषा में तकनीक व प्रोद्योगिकी का सफल प्रयोग इत्यादि पर विस्तारपूर्वक आख्या प्रस्तुत की एवं भविष्य में राजभाषा क्षेत्र में और भी अधिक महत्वकांक्षी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रतिबद्धता परिलक्षित की ।

इसके उपरांत काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डॉ आर.के वर्मा वै0 व डॉ संदीप शर्मा वै0 द्वारा काव्य पाठ प्रतियोगिता हेतु निर्णायक मंडल की भमिका का निर्वचन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता के दौरान समस्त सदस्य मंडल को विशेषतयः युवा वर्ग की स्व-रचित कविताओं का रस्वादन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

कविता पाठ प्रतियोगिता के समापन के बाद सभापति महोदय का अभिभाषण था जिसमें उन्होंने संस्थान में पल्लवित हो रही प्रतियोगिता संस्कृति की सराहना करते हुए विभिन्न प्रतिभागियों को शुभकामना संदेश दिया। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी की समसामयिक वस्तुस्थिति की निरावलंब समीक्षा करते हुए कहा कि यद्यपि, संस्थान में आज राजभाषा का अप्रतिम उन्नयन संभव हुआ है तथापि इस दिशा में हमारे अविराम प्रयासों में किसी भी प्रकार का अवनयन दृष्टिगोचर नहीं होना चहिए । इसके अतिरिक्त अपने संबोधन में उन्होंने राजभाषा क्षेत्र में प्रोद्योगिकी एवं तकनीक को एक नए फ़लक के रूप में ग्रहण करने एवं इसे एक नवाचार के तौर पर मनोगत करने की सलाह दी ।

सभापति महोदय ने अपने अभिभाषण की अंतिम अंशो में हिंदी प्रकोष्ठ को और अधिक तत्परता एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु भी प्रेरित किया ।

हिंदी पखवाड़े के अंतिम चरण में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया जिसकी प्रमुख झलकियां आगे दिए गए छायाचित्रों में समाहित हैं :-

इस कार्यक्रम के अंत में श्री प्रवीण कुमार, अवर लिपिक, द्वारा समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रतिभागियों का, एवं सूचना प्रोद्योगिकी प्रभाग का उनके अनुपमेय सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया।

**सहायक निदेशक, राजभाषा** (प्रभारी) द्वारा हस्ताक्षरित मूल कथ्य की प्रति